हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छ.ग.

हिंदी विभाग एक दृष्टि में

हिंदी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी. विभाग में हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास तथा प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों यथा काव्य गोष्ठी, साहित्यिक परिचर्चा एवं साहित्य वार्ता जैसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. इसके साथ ही विभागीय विद्यार्थियों को सक्रिय कार्यक्रमों के संचालन से अध्ययन सत्र के दौरान साहित्य के महत्व से अवगत कराया जाता है. राष्ट्रीयता एवं कैरियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में हिंदी भाषा के महत्व एवं उद्देश्य को आत्मसात करने की पूर्ति हेतु विभाग सतत प्रयत्नशील है.

संचालित पाठ्यक्रम

- वर्तमान में विभाग में स्नातक , स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं |
- जिसमें स्नातक में 60 एवं स्नातकोत्तर में 20 सीटों की संख्या निर्धारित है |
- पीएचडी पाठ्यक्रम में शोध निर्देशकों के पास उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है|

विभाग का विशेष आकर्षण

- **विभाग में सत्र 2013-14 से नियमित तौर पर साप्ताहिक साहित्यवार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है | यह कार्यक्रम शुक्रवार को सायंकाल 05 से 06 के बीच संचालित किया जाता है | जिसमें हिन्दी विभाग के छात्रों के साथ ही विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों में अंतर्निहित साहित्यिक प्रतिभा को निखारने एवं प्रसार के उद्देश्य से उन्हें मंच प्रदान किया जाता है| इसमें अभी तक कई प्रस्तुतियाँ हो चुकी हैं |**

विभाग के सदस्यगण

विभाग में वर्तमान में 01 आचार्य,01 सह आचार्य, दो सहायक प्राध्यापक कार्यरत हैं |

आचार्य	**डॉ. देवेन्द्र नाथ सिंह**
सह आचार्य	**डॉ. गौरी त्रिपाठी**
सहायक प्राध्यापक	**1. डॉ रमेश कुमार गोहे**
	2. श्री मुरली मनोहर सिंह